

## Padma Shri



### **SMT. SMRITI REKHA CHAKMA**

Smt. Smriti Rekha Chakma is a Chakma indigenous expert artisan on the ethnic textiles of Tripura and a modern traditional textiles designer too.

2. Born on 20<sup>th</sup> September, 1964, Smt. Chakma has been weaving since childhood using the traditional Loin Loom and mastered on the craft at an early age. Later she developed her skills in herbal dyeing of cotton yarns from eco-friendly variant plants, herbs, seeds, flowers, roots, barks, leaves etc. collected from jungles. Her works have found place in various temples and museums of both in the state and abroad. Over the last two decades she participated in several seminars, workshops, demonstrations, trainings etc. in Tripura, Delhi, Karnataka, Uttar Pradesh, Uttaranchal, Madhya Pradesh, Maharashtra & Assam to showcase creation of her prestigious items.

3. Smt. Chakma represented India in various conferences and workshops outside the country such as Regional Back Strap Loom Conference & Workshop in 2009, Dhaka, Natural colours programme on 2009 as a Guru by the Prabartana, Dhaka and Trade & Investment Show India-Myanmar-2014, Yangon. To preserve her skills several documentary films were filmed such as Doordarshan Film named "Culture & Handicrafts of Tripura" on the Chakma traditional weaving, designing and herbal dyeing by Film Division, Kolkata, Doordarshan documentary "The Culture & Heritage of Chakma" and Doordarshan Kendra, Tripura film named "Parbatta Tripurar Ekti Ujjal Nakshatrar Naam Smriti Rekha Chakma".

4. Smt. Chakma founded the NGO named "Ujeia Jadha" (Advance Society) in 1999 for upgradation of the rural women folk for their education and economy. She conducted training centers on weaving and natural dyeing with free food & lodging and also provided stipend to the trainees under her teaching. As a result, four of her trainees were also awarded National Awards.

5. Smt. Chakma was felicitated with many accolades on various occasions like State Bizu Mela-2002, Tripura; International Chakma Literary & Cultural Festival-2018, Tripura, International Poet & Literary Utsav-2022, Fhtirbareng, Chakma Literary Academy, Tripura..

6. Smt. Chakma received numerous awards and honours in her lifetime including National Award in 2000, Ministry of Textiles, Govt. of India; Guru Shishya Parampariya-2011 Dimapur, Nagaland; Sutrakar Samman-2018, Delhi Crafts Council, New Delhi; Sant Kabir Award for Master Weaver in 2018 by Ministry of Textiles, World Crafts Council Award in 2018 from the UNESCO, South Asia Region, Kuwait and Lifetime Award-2022, International Chakma Foundation, Tripura

पद्म श्री



## श्रीमती स्मृति रेखा चकमा

श्रीमती स्मृति रेखा चकमा त्रिपुरा के सजातीय वस्त्रों की चकमा स्वदेशी विशेषज्ञ कारीगर हैं और एक आधुनिक पारंपरिक वस्त्र डिजाइनर भी हैं।

- दिनांक 20 सितंबर, 1964 को जन्मी श्रीमती चकमा बचपन से ही पारंपरिक लोईन लूम का उपयोग करके बुनाई करती आ रही हैं और बहुत ही कम उम्र में उन्होंने इस कला में महारत हासिल कर ली थी। बाद में उन्होंने जंगलों से एकत्र किए गए पर्यावरण-अनुकूल प्रकृति वाले पौधों, जड़ी-बूटियों, बीजों, फूलों, जड़ों, छालों, पत्तियों आदि से सूती धागे की हर्बल रंगाई में अपना कौशल विकसित किया। उनके कार्यों को राज्य तथा उसके बाहर दोनों में स्थित विभिन्न मंदिरों और संग्रहालयों में स्थान दिया गया है। स्वयं द्वारा सृजित प्रतिष्ठित वस्तुओं का प्रदर्शन करने के लिए उन्होंने पिछले दो दशकों में त्रिपुरा, दिल्ली, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और असम में कई सेमिनारों, कार्यशालाओं, प्रदर्शनियों, प्रशिक्षणों आदि में भाग लिया।
- श्रीमती चकमा ने देश के बाहर विभिन्न सम्मेलनों और कार्यशालाओं जैसे वर्ष 2009 में क्षेत्रीय बैंक स्ट्रैप लूम सम्मेलन एवं कार्यशाला, ढाका और वर्ष 2009 में प्राकृतिक रंग कार्यक्रम तथा प्रवर्तना, ढाका और व्यापार एवं निवेश शो भारत-म्यांमार-2014, यांगून द्वारा गुरु के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उनके कौशल को संरक्षित करने के लिए फिल्म डिवीजन द्वारा चकमा पारंपरिक बुनाई, डिजाइनिंग और हर्बल रंगाई पर "त्रिपुरा की संस्कृति और हस्तशिल्प" नामक दूरदर्शन फिल्म, कलकत्ता, दूरदर्शन का वृत्तचित्र "द कल्चर एंड हेरिटेज ऑफ चकमा" और दूरदर्शन केंद्र, त्रिपुरा की फिल्म "परबत्ता त्रिपुरार एकति उज्ज्वल नक्षत्रार नाम स्मृति रेखा चकमा" नामक जैसी कई वृत्तचित्र फिल्में फिल्माई गईं।
- श्रीमती चकमा ने ग्रामीण महिलाओं की शिक्षा और अर्थव्यवस्था के उन्नयन के लिए वर्ष 1999 में "उजिया जधा" (एडवांस सोसाइटी) नामक एनजीओ की स्थापना की। उन्होंने मुफ्त भोजन और आवास की व्यवस्था वाले बुनाई एवं प्राकृतिक रंगाई प्रशिक्षण केंद्र संचालित किए तथा अपने शिक्षण के तहत प्रशिक्षुओं को वजीफा भी प्रदान किया। इसके परिणामस्वरूप, उनके चार प्रशिक्षु राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित हुए।
- श्रीमती चकमा को विभिन्न अवसरों पर जैसे राज्य बिजू मेला -2002, त्रिपुरा; अंतर्राष्ट्रीय चकमा साहित्यिक और सांस्कृतिक महोत्सव-2018, त्रिपुरा, अंतर्राष्ट्रीय कवि एवं साहित्यिक उत्सव-2022, फतिरबारेंग, चकमा साहित्यिक अकादमी, त्रिपुरा आदि में सम्मानित किया गया।
- श्रीमती चकमा को अपने जीवनकाल में वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2000 में राष्ट्रीय पुरस्कार; गुरु शिष्य परम्परा-2011 दीमापुर, नागालैंड; सूत्रकार सम्मान-2018, दिल्ली शिल्प परिषद, नई दिल्ली; वस्त्र मंत्रालय द्वारा वर्ष 2018 में मास्टर वीवर के लिए संत कबीर पुरस्कार, यूनेस्को, दक्षिण एशिया क्षेत्र, कुवैत द्वारा वर्ष 2018 में विश्व शिल्प परिषद पुरस्कार, लाइफटाइम अवार्ड -2022, अंतर्राष्ट्रीय चकमा फाउंडेशन, त्रिपुरा सहित कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए।